मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR

बी.ए. हिंदी पाठयक्रम

(SYLLABUS OF UNDER GRADUATE HINDI)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित

(Based on National Education Policy 2020)

मानविकी संकाय

(FACULTY OF HUMANITIES)

Under Graduate Course (Arts- Hindi)

2023-24 *onwards*

हिंदी विभाग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज) 313001

: पाठ्यक्रम :

बी.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

(B.A. Hindi Syllabus)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित

(Based on National Education Policy 2020)

Level	Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Delivery Type			Total Hours	Credit	Assesment		
					L	T	P			Int.	Ext.	Total
5	I	DCC-1	HIN5000T	प्राचीन और मध्यकालीन काव्य	5	1	0	90	6	20	80	100
		AECC-1	HIN5200T	हिंदी भाषा और व्याकरण	2	0	0	30	2	20	80	100
	II	DCC-2	HIN5001T	कथा साहित्य	5	1	0	90	6	20	80	100
Exit with certificate (with 4 exit credit in SEC courses)												
6	III	DCC-3	HIN6002T	आधुनिक काव्य	5	1	0	90	6	20	80	100
	IV	DCC-4	HIN6003T	नाटक एवं निबंध	5	1	0	90	6	20	80	100
		SEC-1	SEH6312T	हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार	2	0	0	30	2	20	80	100
Exit with Diploma												
7	V	DSE-1	HIN7100T	हिंदी साहित्य का इतिहास	5	1	0	90	6	20	80	100
			HIN7101T	राजस्थान के हिंदी रचनाकार	5	1	0	90	6	20	80	100
		SEC-2	SEH7313T	कार्यालयी हिंदी	2	0	0	30	2	20	80	100
	VI	DSE-2	HIN7102T	छायावादोत्तर काव्य	5	1	0	90	6	20	80	100
			HIN7103T	कथेतर गद्य	5	1	0	90	6	20	80	100
		SEC-3	SEH7314T	लोक साहित्य	2	0	0	30	2	20	80	100
Exit with B.A. degree												

An information regarding codes:

DCC-Discipline Centric Core Course, DSE- Discipline Specific Elective,
SEC- Skill Enhancement Course, AECC- Ability Enhancement Compulsory Course

B.A. (Three Years Degree Program)	
First Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**HIN5000T**
Title of the Course	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 4.5
Credit of the course	6
Type of the course	Discipline Centric Core Course (DCC) in Hindi
Delivery type of the Course	90 Hours. 60 Lectures for content delivery and 15 hours for Tutorials, class activity, case study and 15 hours for formative and Diagnostic Assessment.
Prerequisites	Foundation level (Equivalent to 10+2)
Co-requisites	None
Objectives of the course	• आदिकालीन एवं भक्तिकालीन कवियों द्वारा रचित कविताओं के अध्ययन से विद्यार्थियों में आदिकालीन और मध्यकालीन काव्य की समझ विकसित करना। • विद्यार्थियों में भक्ति साहित्य में वर्णित दार्शनिक चेतना की समझ विकसित करना। • प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य में वर्णित मूल्य चेतना और सरोकारों का ज्ञान करना। • सामाजिक एकता अखंडता तथा नैतिक मूल्यों के विकास में प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य की भूमिका का ज्ञान कराना। • भक्ति आंदोलन की अवधारणा, परिभाषिक शब्दावली और विचारों पर चिंतन। • रीतिकालीन साहित्य और साहित्यकारों के परिचय और वैशिष्ट्य का ज्ञान कराना।

Learning outcomes	• प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य के अध्ययन के माध्यम से चिंतन दृष्टि को विकसित हो सकेगी। • हिंदी साहित्यकारों एवं साहित्येतिहास के जीवन से प्रेरणा ग्रहण कर सकेंगे। • प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य में वर्णित संवेदना, रचनात्मकता एवं सौंदर्य चेतना से परिचित हो सकेंगे। • प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य के सामाजिक और संस्कृतिक संदर्भों में विवेचन–विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
Syllabus	
UNIT-I	• ढ़ोला मारू रा दूहा : नरोत्तम दास स्वामी, सूर्यकरण पारीक (मारवणी का संदेसा) दोहा संख्या 110, 111, 141 से 155 • बीसलदेव रास : नरपति नाल्ह, संपादक : डॉ. माता प्रसाद गुप्त तथा श्री अगरचंद नाहटा, हिंदी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद से पद संख्या 1, 3, 4, 6, 7, 8, 9 एवं 10 गउरिका नंदन त्रिभुवन सार..... (पद संख्या 1) हंस गमणि मृगलोयणी नारि..... (पद संख्या 3) हंस वाहणि देवी करि धरइ वीण..... (पद संख्या 4) भोजराज तणउ मिल्यउ छइ दिवाण..... (पद संख्या 6) पंडित तोहि बोलावइ रे राइ..... (पद संख्या 7) बंभण भाट बोलाविया राउ..... (पद संख्या 8) गढ अजमेरि बसइ रे भुआल..... (पद संख्या 9) दीन्ही सोपारीयउ नइ हरषिय.....(पद संख्या 10) • विद्यापति : विद्यापति पदावली, सं. शिवप्रसाद सिंह से चयनित अंश : नंदक नंदन कदम्बेरि तरुतरे..... (पद संख्या 8) सुन रसिया अब न बजाऊ बिपिन बँसिया.... (पद संख्या 9)

	विरह व्याकुल बदुल तरुतर..... (पद संख्या 26) कुंज–भवन सँ चलि भेलि हे..... (पद संख्या 36) सखि हे कतहु न देखि मधाई..... (पद संख्या 55) • रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मकप्रश्न। **(18 Lectures)**
UNIT -II	• कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपादक : श्यामसुंदर दास से चयनित अंश : गुरुदेव कौ अंग, मन कौ अंग तथा पद संख्या 1, 2, 3, 23, 39 • जायसी : जायसी ग्रंथावली, संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल से चयनित अंश सिंहल द्वीप–वर्णन खंड .....(पद संख्या 1 से 5) मानसरोदक खंड ..... (पद संख्या 1 से 7) • दादू : दादूदयाल, संपादक : परशुराम चतुर्वेदी से चयनित अंश सुमिरण कौ अंग से प्रथम 20 दोहे विरह कौ अंग से प्रथम 20 दोहे • रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**
UNIT-III	• सूरदास : भ्रमरगीत सार, सं.: आचार्य रामचंद्र शुक्ल से चयनित पद : कहियो नंद कठोर भए ..... (पद संख्या 02) पथिक ! संदेसो कहियो जाय ..... (पद संख्या 09) आयो घोष बड़ो व्योपारी ..... (पद संख्या 23) उधौ ! मन नाहीं दस बीस ..... (पद संख्या 210) हम तो नंदघोस की बासी ..... (पद संख्या 20) आए जोग सिखावन पाँड़े ..... .(पद संख्या 25)

	निर्गुण कौन देश को बासी ..... (पद संख्या 64) जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै ..... .(पद संख्या 24) उर में माखन चारे गड़े..... (पद संख्या 95) बिन गोपाल बैरिन भई कुंजै ..... (पद संख्या 85) • तुलसीदास : रामचरित मानस : बालकांड से चयनित अंश दोहा संख्या 229 से 234 (कंकन किंकिनी ..... छत्रि बाढ़हि प्रीति।) • तुलसीदास : विनयपत्रिका : गो. तुलसीदास, सं. वियोगी हरि से चयनित अंश (विनय खंड से पद संख्या 65 से 70 तक।) राम राम रमु ..... (पद संख्या 65) राम जपु, राम जपु ..... (पद संख्या 66) राम–नाम जपु जिय ..... (पद संख्या 67) राम राम राम जीह ..... (पद संख्या 68) सुमिर सनेह सों तू नाम .....(पद संख्या 69) भलो भली भाँति है जो मेरे .....(पद संख्या 70) • मीरा के चयनित पद : भज मन चरन कँवल अबिनासी राम रतन धन पायो मैया आली री मेरे नयनन बान पड़ी दरस बिन दूखन लागे नैन बसो मेरे नैनन में नँदलाल • रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**
UNIT-IV	• केशवदास : रामचंद्रिका से रावण–अंगद संवाद। • घनानंद : आनंदघन संपादक : रामदेव शुक्ल से चयनित अंश

	रैन–दिना घुटिबो करै प्रान ..... (पद संख्या 21) अति सूधो सनेह को मारग है ..... (पद संख्या 32) एरे बीर पौन तेरे सवै ओर गौन ..... (पद संख्या 34) तिहारे कौन कौन गुन गाऊं ..... (पद संख्या 59) भरोसो रावरो हमें ..... (पद संख्या 65) • बिहारी : बिहारी रत्नाकर : प्रथम 10 दोहे। • रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**
UNIT-V	• प्राचीन एवं मध्यकाल का परिचयात्मक इतिहास, परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ और कवि एवं रचना परिचय। **(18 Lectures)**
सहायक ग्रंथ **Reference Books**	1. नगेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा। 2. रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। 3. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. डॉ. नवीन नंदवाना : काव्य संचयन, मलिक बुक कंपनी, जयपुर।
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/

B.A (Three Years Degree Program)	
First Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN5200T**
Title of the Course	हिंदी भाषा और व्याकरण
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 4.5**
Credit of the course	**2**
Type of the course	**Ability Enhancement Compulsory Courses (AECC) in Hindi**
Delivery type of the Course	**30 Hours. 20 Lectures for content delivery and 10 hours for class activity, case study and for formative and Diagnostic Assessment.**
Prerequisites	**Foundation level (Equivalent to 10+2)**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	• भाषा के उद्भव तथा विकास को परंपरा तथा व्याकरण के सिद्धांत ज्ञान से अवगत कराना। • विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि विकसित कराना। • विद्यार्थियों को हिंदी व्याकरण ज्ञान से परिचित कराना।
Learning outcomes	• भाषा के उद्भव तथा विकास को समझ सकेंगे। • विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि विकसित होगी और वे आर्यभाषा का विकास और विशेषताएँ जान सकेंगे। • विद्यार्थियों को हिंदी व्याकरण ज्ञान से परिचित होकर भाषा के समुचित प्रयोग में सक्षम हो सकेंगे।
Syllabus	
UNIT-I	हिंदी भाषा का विकास : भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ, प्राचीन भारतीय आर्यभाषा, मध्यकालीन आर्यभाषा काल और

	आधुनिक आर्यभाषा का विकास और विशेषताएँ, हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ। **(6 Lectures)**
UNIT -II	शब्द भेद : विकारी शब्द : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया। अविकारी शब्द : क्रिया विशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक और निपात। **(6 Lectures)**
UNIT-III	लिंग, वचन, कारक, काल। **(6 Lectures)**
UNIT-IV	संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय। **(6 Lectures)**
UNIT- V	विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांशों के लिए एक शब्द, शब्द–युग्म, अनेकार्थक शब्द। **(6 Lectures)**
Reference Books	1. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद 2. डॉ. हरदेव बाहरी : हिंदी : शब्द–अर्थ–प्रयोग, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद 3. डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद : आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, पटना 4. डॉ. राजेंद्र सिंघवी : सामान्य हिंदी, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

	5. श्याम चंद्र कपूर : व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/

B.A (Three Years Degree Program)	
Second Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**HIN5001T**
Title of the Course	कथा साहित्य
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 4.5**
Credit of the course	**6**
Type of the course	**Discipline Centric Core Course (DCC) in Hindi**
Delivery type of the Course	**90 Hours. 60 Lectures for content delivery and 15 hours for Tutorials, class activity, case study and 15 hours for formative and Diagnostic Assessment.**
Prerequisites	**Foundation level (Equivalent to 10+2)**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	• हिंदी कहानी के शिल्प विधान की प्रक्रिया का ज्ञान कराना। • कहानी के पठन–पाठन के उपरांत समीक्षात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन की ओर प्रवृत्त करना। • कहानी के माध्यम से सामाजिक यथार्थ, मूल्य–संवर्धन एवं सामाजिक विसंगतियों से अवगत कराना। • चयनित हिंदी कथा साहित्य के कथ्य एवं शिल्प विधान की प्रक्रिया को समझाना। • हिंदी कथा साहित्य में चित्रित सामाजिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक तथा आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों का बोध कराना।
Learning outcomes	• हिंदी कथा साहित्य के उद्‌भव, विकास, विशेषताएँ और प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कर सकेंगे।

	• संकलित कहानियों और उपन्यास के अध्ययन से विद्यार्थी उनमें निहित मूल्यों की पहचान कर सकेंगे। • संकलित साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी रचनाओं के महत्त्व का आकलन करने में सक्षम हो सकेंगे।
Syllabus	
UNIT-I	उपन्यास : दौड़ (ममता कालिया) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**
UNIT -II	कहानियाँ : टोकरी भर मिट्टी (माधवप्रसाद सप्रे), शतरंज के खिलाड़ी (प्रेमचंद), पुरस्कार (जयशंकर प्रसाद), ताई (विश्वंभरनाथ शर्मा 'कौशिक') और पराया सुख (यशपाल) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**
UNIT-III	कहानियाँ : शरणदाता (अज्ञेय), खेल (जैनेन्द्र), एक और जिंदगी (मोहन राकेश), अमृतसर आ गया (भीष्म साहनी) और संवदिया (फणीश्वरनाथ रेणु) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**
UNIT-IV	कहानियाँ : राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), अभिमन्यु की आत्महत्या (राजेंद्र यादव), सजा (मन्नू भंडारी), बादलों के घेरे (कृष्णा सोबती) और जिनावर (चित्रा मुद्गल) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**

UNIT- V	उपन्यास और कहानी : अर्थ और तत्त्व। हिंदी उपन्यासों का उद्भव और विकास। हिंदी कहानी का उद्भव, विकास। **(18 Lectures)**
Reference Books	1. गोपालराय : हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 2. नामवर सिंह : कहानी : नई कहानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. मधुरेश : हिंदी कहानी का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. गोपालराय : हिन्दी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 5. नगेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
Suggested E-resources	**https://epgp.inflibnet.ac.in/** **https://hindisamay.com/** **https://hi.wikipedia.org/** **https://swayam.gov.in/**

B.A. (Three Years Degree Program)	
Third Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**HIN6002T**
Title of the Course	आधुनिक काव्य
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 5**
Credit of the course	**6**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**90 Hours. 60 Lectures for content delivery and 15 hours for Tutorials, class activity, case study and 15 hours for formative and Diagnostic Assessment.**
Prerequisites	**Intermediate Level**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	• आधुनिककालीन कवियों द्वारा रचित कविताओं के अध्ययन से विद्यार्थियों में आधुनिक काव्य को समझने की समझ विकसित करना। • विद्यार्थियों में आधुनिक काव्य में वर्णित सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना की समझ विकसित करना। • आधुनिक काव्य में वर्णित मूल्य चेतना और सरोकारों का ज्ञान करना। • सामाजिक एकता अखंडता तथा नैतिक मूल्यों के विकास में आधुनिक काव्य की भूमिका का ज्ञान कराना। • आधुनिक काव्य के विषयों और जनपक्षधरता पर चिंतन।
Learning outcomes	• आधुनिक काव्य के अध्ययन के माध्यम से एक विशेष चिंतन दृष्टि को विकसित हो सकेगी।

	• हिंदी साहित्यकारों एवं साहित्येतिहास के जीवन से प्रेरणा ग्रहण कर सकेंगे। • आधुनिक काव्य में वर्णित संवेदना, रचनात्मकता एवं सौंदर्य चेतना से परिचित हो सकेंगे। • आधुनिक काव्य के सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में विवेचन–विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
Syllabus	
UNIT-I	• अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : प्रियप्रवास सर्ग 16 से संकलित अंश (श्याम संदेश और राधा संदेश– पद संख्या 36 से 60 तक 'अतीव हो .....रूपादि द्वारा' तक) • मैथिलीशरण गुप्त : 'साकेत' के अष्टम सर्ग से संकलित अंश (कैकेयी का पश्चाताप– यह सच है तो ..... आज ये भ्राता तक) रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT -II	• जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित कविताएँ : पेशोला की प्रतिध्वनि, बीती विभावरी, कामायनी का श्रद्धा सर्ग (''तपस्वी! क्यों इतने हो ...से..... विजयिनी मानवता हो जाय'' तक)। • सुमित्रानंदन पंत द्वारा रचित कविताएँ : पर्वत प्रदेश में पावस, ग्राम श्री, ताज, द्रुत झरो। रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**

UNIT-III	• सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कविताएँ : संध्या सुंदरी, तोड़ती पत्थर, स्नेह निर्झर, राम की शक्तिपूजा का अंश (हे अमानिशा ; उगलता .....से .....धिक्–धिक् तक)। • महादेवी वर्मा की कविताएँ : जीवन विरह का जलजात, मैं नीर भरी दुख की बदली, यह मंदिर का दीप। रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT-IV	• रामधारी सिंह दिनकर की कविताएँ : रश्मिरथी सर्ग 3 से कृष्ण की चेतावनी, अनल किरीट, कुरुक्षेत्र के तृतीय से संकलित अंश (समर निंद्य.. से ....सिर तक उठता बल है) तक। • अज्ञेय की कविताएँ : बावरा अहेरी, नदी के दीप, सांप, कलगी बाजरे की। रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT-V	• हिंदी साहित्य के इतिहास से आधुनिक हिंदी कविता के सोपान : भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता की प्रवृत्तियाँ और कवि परिचय। • छंद ज्ञान : दोहा, चौपाई, सोरठा, रोला, उल्लाला, गीतिका, हरिगीतिका, कवित्त, सवैया, छप्पय, कुण्डलिया, मंदाक्रांता, वसंत तिलका, वंशस्थ, द्रुतविलंबित के लक्षण और उदाहरण। • अलंकार ज्ञान : अनुप्रास, यमक, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान, संदेह, दृष्टांत, उदाहरण,

	अर्थान्तरन्यास, तद्गुण, मीलित, ब्याज–स्तुति के लक्षण और उदाहरण। **(18 Hours)**
सहायक ग्रंथ **Reference Books**	1. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा। 2. रामचन्द्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। 3. डॉ. बच्चन सिंह : आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 4. डॉ. नामवर सिंह : आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. डॉ. नवीन नंदवाना : काव्यांग प्रभा, मलिक बुक कंपनी, जयपुर। 6. डॉ. आशीष सिसोदिया एवं डॉ. शिखा पालीवाल : आधुनिक काव्य किरण, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर।
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/

B.A. (Three Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**HIN6003T**
Title of the Course	नाटक एवं निबंध
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 5**
Credit of the course	**6**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**90 Hours. 60 Lectures for content delivery and 15 hours for Tutorials, class activity, case study and 15 hours for formative and Diagnostic Assessment.**
Prerequisites	**Intermediate Level**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	• हिंदी नाटक के अध्ययन से विद्यार्थियों में नाटक को जानने की समझ विकसित करना। • विद्यार्थियों में हिंदी निबंध के अर्थ, स्वरूप और प्रकारों के विवेचन की समझ विकसित करना। • जयशंकर प्रसाद के नाटकों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और भारतीय इतिहास के विविध पक्षों का ज्ञान कराना। • हिंदी निबंधकारों के निबंधों में व्यक्त समसामयिक समस्याओं और सरोकारों से विद्यार्थियों को जोड़ते हुए सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्यों के विकास में हिंदी निबंधों की भूमिका का ज्ञान कराना। • नाटक और निंबध की विकास यात्रा पर चिंतन।
Learning outcomes	• हिंदी नाटक के अध्ययन से भारतीय प्राचीन इतिहास के प्रति एक विशेष चिंतन दृष्टि को विकसित हो सकेगी।

	• हिंदी नाटककारों की रचनाओं से प्रेरणा ग्रहण कर सकेंगे। • हिंदी निबंधों में वर्णित संवेदना, रचनात्मकता एवं केंद्रीय विचार से परिचित हो सकेंगे। • हिंदी निबंधों के अध्ययन से विविध विषयों और समस्याओं पर विवेचन–विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
Syllabus	
UNIT-I	• जयशंकर प्रसाद : 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। • जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व–कृतित्व का सामान्य परिचय। **(18 Hours)**
UNIT -II	• निबंध : भारतेंदु : भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है, बालकृष्ण भट्ट : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है, महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामायण, से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। • संकलित रचनाओं के रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय। **(18 Hours)**
UNIT-III	• निबंध : सरदार पूर्ण सिंह : आचरण की सभ्यता, आचार्य रामचंद्र शुक्ल : करुणा, हजारीप्रसाद द्विवेदी : देवदारु से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। • संकलित रचनाओं के रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय। **(18 Hours)**
UNIT-IV	• निबंध : बाबू गुलाबराय : भारतीय संस्कृति, कुबेरनाथ राय : हरी–हरी दूब और लाचार क्रोध, रामविलास शर्मा : तुलसी के सामाजिक मूल्य से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

	• संकलित रचनाओं के रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय। **(18 Hours)**
UNIT-V	• नाटक का अर्थ, तत्त्व, हिंदी नाटक का उद्भव और विकास– भारतेंदु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग और स्वातंत्र्योत्तर युग • निबंध का अर्थ, प्रकार तथा हिंदी निबंध का उद्भव और विकास– शुक्ल पूर्व युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग। **(18 Hours)**
सहायक ग्रंथ **Reference Books**	1. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा। 2. रामचन्द्र तिवारी : हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 3. बच्चन सिंह : हिंदी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. गिरीश रस्तोगी बीसवीं सदी में हिंदी नाटक और रंगमंच, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली। 5. नवीन नंदवाना (सं) : समकालीन हिंदी नाटक : समय और संवेदना, अमन प्रकाशन, कानपुर। 6. नीतू परिहार (सं) : हिंदी नाट्य साहित्य और रंगमंच, हिमांशु पब्लिकेशन्स, उदयपुर।
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://swayam.gov.in/

B.A. (Three Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**SEH6312T**
Title of the Course	हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 5**
Credit of the course	**2**
Type of the course	**Skill Enhancement Course (SEC) in Hindi**
Delivery type of the Course	**30 Hours. 20 Lectures for content delivery and 10 hours for class activity, case study and for formative and Diagnostic Assessment.**
Prerequisites	**Intermediate Level**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	• हिंदी पत्रकारिता के विकास के अध्ययन से विद्यार्थियों में पत्रकारिता के अर्थ, स्वरूप और कार्यों को जानने की समझ विकसित करना। • पत्रकारिता के परंपरागत और अधुनातन आयामों को जानने की समझ विकसित करना। • लोक जागरण में पत्रकारिता और जनसंचार की भूमिका से अवगत करना। • सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्यों के विकास में हिंदी पत्रकारिता और जनंसचार माध्यमों की भूमिका का ज्ञान कराना। • मीडिया के लिए लेखन कौशल से परिचित कराना।
Learning outcomes	• मीडिया के इतिहास और विकास को जानने की दृष्टि विकसित हो सकेगी।

	• हिंदी पत्रकारों के अवदान से प्रेरणा ग्रहण कर सकेंगे। • जनसंचार माध्यमों द्वारा संप्रेषित संवेदना और उनके संप्रेषण कौशल से परिचित हो सकेंगे। • स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी पत्रकारिता के योगदान से परिचित हो सकेंगे। • पत्रकारिता और जनसंचार माध्यमों के विषय में अध्ययन से उनमें सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को ठीक से विवेचन–विश्लेषण करने की समझ विकसित होगी।
Syllabus	
UNIT-I	• हिंदी पत्रकारिता : उद्‌भव एवं विकास : पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, पत्रकारिता के मूल्य, उद्‌देश्य, हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, साहित्य और पत्रकारिता में साम्य–वैषम्य। **(06 Hours)**
UNIT -II	• हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता • हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास– भारतेंदुयुगीन हिंदी पत्रकारिता, द्विवेदीयुगीन हिंदी पत्रकारिता, छायावादयुगीन हिंदी पत्रकारिता, छायावादोत्तर हिंदी पत्रकारिता, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता। • स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी पत्रकारिता का योगदान। • राजस्थान की हिंदी पत्रकारिता। **(06 Hours)**
UNIT-III	• विज्ञापन और समाचार लेखन : • विज्ञापन : विज्ञापन का अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता, गुण, प्रकार और उद्‌देश्य।

	• समाचार : समाचार का अर्थ, परिभाषा, प्रकार, समाचार लेखन की आवश्यकता, गुण और मुद्रित तथा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन। **(06 Hours)**
UNIT-IV	• जनसंचार • जनसंचार : अर्थ, परिभाषा, साधन– परपंरागत साधन और आधुनिक साधन, • रेडियो : विकास, वार्ता, रूपक, साक्षात्कार, जनसंचार में रेडियो की भूमिका। • टेलीविजन : विकास, प्रसार भारती, भारत में न्यूज चैनल्स। • न्यू मीडिया : डिजीटल मीडिया (यूट्यूब चैनल्स), वेब मीडिया (ब्लॉग लेखन), सोशल मीडिया। **(06 Hours)**
UNIT-V	• फीचर एवं साक्षात्कार • फीचर : अर्थ, प्रकार, रचना और लेखन, दृश्य–श्रव्य माध्यमों के लिए फीचर लेखन, • साक्षात्कार : • साक्षात्कार का अर्थ, प्रकार, प्रिंट मीडिया के लिए साक्षात्कार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए साक्षात्कार, साक्षात्कार की कला। **(06 Hours)**
सहायक ग्रंथ **Reference Books**	1. डॉ. राम अवतार शर्मा : हिंदी पत्रकारिता और साहित्य, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।

	2. डॉ. संजीव भानावत : पत्रकारिता और जनसंचार साहित्य संदर्भिका, पुलित्जर संचार–अध्ययन एवं शोध संस्थान, जयपुर। 3. विजेंद्र सिंघल : जनसंचार के माध्यम, ओम पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली। 4. एन.सी. पंत : हिंदी पत्रकारिता का विकास, राधा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली। 5. राधेश्याम शर्मा : जनसंचार, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला। 6. गंगा प्रसाद ठाकुर और शिव अनुराग पटेरिया : भारत में प्रेस क़ानून, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल। 7. नंदकिशोर त्रिखा : समाचार संकलन और लेखन, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ। 8. कृष्णबिहारी मिश्र : हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली। 9. जे. नटराजन : भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार। 10. पं. अंबिकाप्रसाद वाजपेयी : समाचारपत्र–कला, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ। 11. डॉ. अर्जुन तिवारी : संपूर्ण पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/

B.A. (Three Years Degree Program)	
Fifth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN7100T**
Title of the Course	हिंदी साहित्य का इतिहास
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 5.5**
Credit of the course	**6**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**90 Hours. 60 Lectures for content delivery and 15 hours for Tutorials, class activity, case study and 15 hours for formative and Diagnostic Assessment.**
Prerequisites	**High Level**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. हिंदी की आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना। 2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना। 3. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना। 4. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल से परिचित कराना। 5. रचना के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता विकसित करना।
Learning outcomes	1. आदिकालीन और भक्तिकालीन कवियों की रचनाओं की प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा। 2. मध्यकालीन रचनाओं में उपलब्ध भक्ति और दार्शनिक चेतना से परिचित होंगे।

	3. हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न पड़ावों की रचनाओं के अध्ययन से सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्य विकसित होंगे। 4. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल से परिचित हो सकेंगे। 5. आधुनिक काल में चित्रित सामाजिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक तथा आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों का बोध होगा।
Syllabus	
UNIT-I	आदिकाल : हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण। आदिकाल की पृष्ठभूमि, काव्य धाराएँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, लौकिक एवं गद्य साहित्य, आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ। (18 Hours)
UNIT -II	भक्तिकाल : भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, विभिन्न काव्य धाराएँ और उनका वैशिष्ट्य प्रमुख संत कवि : कबीर, नानक, दादू, रैदास आदि एवं निर्गुण काव्य की विशेषताएँ। प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ। राम भक्ति काव्य : राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, राम काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ।

	कृष्ण काव्य : अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय, प्रमुख कवि– सूरदास, मीरा, रसखान, प्रमुख संप्रदाय एवं प्रवृत्तियाँ। (18 Hours)
UNIT-III	रीतिकाल : रीतिकाल : पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, प्रवृत्तियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कवि और उनका काव्य, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ। (18 Hours)
UNIT-IV	आधुनिक काव्य : भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ। द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ। छायावाद, प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद और नयी कविता : प्रमुख कवि, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ। (18 Hours)
UNIT-V	आधुनिक गद्य : हिंदी कहानी : विकास यात्रा– प्रेमचन्द पूर्व, प्रेमचन्द युगीन, प्रेमचन्दोत्तर, स्वातंत्र्योत्तर। हिंदी उपन्यास : विकास यात्रा– प्रेमचन्द पूर्व, प्रेमचन्द युगीन, प्रेमचन्दोत्तर, स्वातंत्र्योत्तर। हिंदी नाटक : विकास यात्रा– प्रसाद पूर्व, प्रसादयुगीन, प्रसादोत्तर नाटक और स्वातंत्र्योत्तर। हिंदी निबन्ध की विकास यात्रा, हिंदी आलोचना की विकास यात्रा।

	हिंदी गद्य की अन्य विधाएँ– रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त, जीवनी, आत्मकथा। (18 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा 2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली 3. नामवर सिंह : आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य : स्वरूप एवं संवेदना, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 5. बच्चन सिंह : हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली 6. विश्वनाथ त्रिपाठी : हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, ओरियंट ब्लैकस्वान, हैदराबाद।
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/

B.A. (Three Years Degree Program)	
Fifth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN7101T**
Title of the Course	राजस्थान के हिंदी रचनाकार
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 5.5**
Credit of the course	**6**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**90 Hours. 60 Lectures for content delivery and 15 hours for Tutorials, class activity, case study and 15 hours for formative and Diagnostic Assessment.**
Prerequisites	**High Level**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	• राजस्थान के हिंदी रचनाकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित कराना। • राजस्थान के हिंदी रचनाकारों द्वारा रचित कविता की प्रवृत्तियों की जानकारी देना। • राजस्थान के हिंदी प्रमुख रचनाकारों तथा उनकी कृ तियों से परिचय कराना। • पाठ्य कृतियों के संदर्भ में रचना के मूल्यांकन की क्षमता बढ़ाना। • रचनाकारों द्वारा रचित कथा और कथेतर रचनाओं के वैशिष्ट्य से परिचित कराना।
Learning outcomes	• राजस्थान की हिंदी कविता की विविध प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।

	• राजस्थान के हिंदी साहित्य के विविध विधाओं की रचनाओं के अध्ययन से सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्य विकसित होंगे। • राजस्थान के हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की विविध रचनाओं और प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे। • राजस्थान के हिंदी साहित्य में चित्रित रचनाओं में वर्णित सामाजिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक तथा आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों का बोध होगा।
Syllabus	
UNIT-I	कविता : कन्हैया लाल सेठिया : अग्नि वीणा झनझना दो, बापू, मंजिल की कर याद बटोही ; भगवती लाल व्यास : अनुरोध, नहीं होंगे पहाड़, उपहार ; सावित्री डागा : रास्ते, कोई किसी से नहीं कहता, अकेलापन ; इंदुशेखर तत्पुरुष : कल्प–विकल्प, बनाएँ एक सेतुबंध, पीठ पर आँख ; सवाई सिंह शेखावत : खतरा, बहिन के रिश्ते की बात, हिचकी की हिफ़ाजत ; पद्मजा शर्मा : अच्छी लड़कियाँ, जाने के बाद, दर्द चौखट पर, रचनाओं से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (18 Hours)
UNIT -II	कहानी : चंद्रधर शर्मा गुलेरी : सुखमय जीवन, कुँवर आयुवान सिंह हुडील : ममता और कर्तव्य, गोविंद सिंह राठौड़ : कान्हड़दे सोनगरा, आलमशाह खान : परायी प्यास का सफर, दीप्ति कुलश्रेष्ठ : अपराधी कौन है, रत्न कुमार सांभरिया : फुलवा कहानियों से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न।

	(18 Hours)
UNIT-III	उपन्यास : यादवेंद्र शर्मा चंद्र : खून का टीका से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (18 Hours)
UNIT-IV	नाटक : मणिमधुकर : 'दुलारी बाई' नाटक से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (18 Hours)
UNIT-V	निबंध और अन्य विधाएँ : नंदकिशोर आचार्य : कविता और भविष्य, प्रो. विजेंद्र : कविता, जीवन और प्रकृति, मथुरेशनंदन कुलश्रेष्ठ : आस्था और साहित्य, हरिराम मीणा : रॉस एवं वाइपर द्वीपों के खंडहरों तक ('साइबर सिटी से नंगे आदिवासियों तक' यात्रा–वृत्त से), ओम नागर : मौसम की कसौटी, धरती का प्रेम–प्रसंग यानी, डरी हुई रात ('निब के चीरे' डायरी से) संकलित रचनाओं से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (18 Hours)
Text Books	1. यादवेंद्र शर्मा चंद्र : खून का टीका, साहित्यागार, जयपुर। 2. मणिमधुकर : दुलारी बाई, लिपि प्रकाशन। 3. ओम नागर : निब के चीरे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
Reference Books	1. प्रकाश आतुर : राजस्थान का आधुनिक हिन्दी साहित्य, संघी प्रकाशन , उदयपुर। 2. डॉ. कन्हैया लाल शर्मा : हाड़ौती : साहित्य और स्वरूप, सूर्य प्रकाशन मंदिर, बीकानेर।

	3. माधव हाड़ा और अन्य : राजस्थान का हिन्दी साहित्य, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर। 4. नवल किशोर : राजस्थान का हिन्दी कथा साहित्य, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर। 5. डॉ. आशीष सिसोदिया : दक्षिण राजस्थान का हिंदी साहित्य, हिमांशु पब्लिकेशंस, उदयपुर। 6. राजस्थान साहित्यकार परिचय कोश, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर। 7. राजस्थान के रचनाकारों पर मोनोग्राफ, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर।
Suggested E-resources	• https://rsaudr.org/ • https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/

B.A. (Three Years Degree Program)	
Fifth Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**SEH7313T**
Title of the Course	कार्यालयी हिंदी
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 5.5**
Credit of the course	**2**
Type of the course	**Skill Enhancement Course (SEC) in Hindi**
Delivery type of the Course	**30 Hours. 20 Lectures for content delivery and 10 hours for class activity, case study and for formative and Diagnostic Assessment.**
Prerequisites	**High Level**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	• कार्यालयी हिंदी के स्वरूप, उद्देश्य एवं प्रयोग क्षेत्र आदि की जानकारी देना। • टिप्पणी के अर्थ और प्रक्रिया की जानकारी देना। • प्रमुख प्रशासनिक शब्दावली से परिचित कराना। • कार्यालयी हिंदी पत्राचार की जानकारी देना। • संक्षेपण, पल्लवन और कंप्यूटर में हिंदी के अनुप्रयोग से परिचित कराना।
Learning outcomes	• कार्यालयी हिंदी के स्वरूप, उद्देश्य एवं प्रयोग क्षेत्र आदि से परिचित हो सकेंगे। • टिप्पणी के अर्थ और प्रक्रिया की जान सकेंगे और प्रक्रिया बता सकेंगे।

	• प्रमुख प्रशासनिक शब्दावली का अनुवाद कर उसके प्रयोग का कौशल विकसित होगा। • कार्यालयी हिंदी पत्राचार के विविध प्रकारों के प्रयोग का कौशल विकसित हो सकेगा। • संक्षेपण, पल्लवन और कंप्यूटर में हिंदी के अनुप्रयोग का ज्ञान हो सकेगा।
Syllabus	
UNIT-I	• कार्यालयी हिंदी : स्वरूप, उद्देश्य, प्रयोग क्षेत्र एवं महत्त्व • कार्यालयी हिंदी की संकल्पना • कार्यालयी भाषा : सहजता की आवश्यकता **(6 Hours)**
UNIT -II	• कार्यालयी हिंदी : पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद : • प्रशासनिक शब्दावली : अर्थ, विशेषताएँ, प्रकार और प्रशासनिक अभिव्यक्तियाँ। • कार्यालयी हिंदी और अनुवाद : आवश्यकता, शब्दावली, प्रमुख कार्यालयी अभिव्यक्तियाँ। • कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली, कार्यालयों एवं अधिकारियों के नाम, पदनाम, संबोधन आदि प्रशासनिक शब्दावली– अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी। बैंकिंग क्षेत्र की शब्दावली। **(6 Hours)**
UNIT-III	• कार्यालयी हिंदी पत्राचार : सरकारी पत्र, अर्द्ध सरकारी पत्र, कार्यालय आदेश, परिपत्र, आवेदन पत्र, ज्ञापन, अधिसूचना, विज्ञापन, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति। **(6 Hours)**

UNIT-IV	• कार्यालयी हिंदी : टिप्पण लेखन, बैठकें और प्रतिवेदन : • टिप्पण लेखन : अर्थ, उद्देश्य, प्रक्रिया, प्रमुख अंग, प्रकार, विशेषताएँ। • बैठकों का स्वरूप, प्रयोजन, प्रकार, सरकारी बैठकों का आयोजन, कार्यसूची और कार्यवृत्त। • प्रतिवेदन लेखन : उद्देश्य, प्रकार, विशेषताएँ और प्रतिवेदन लेखन की पद्धति। **(6 Hours)**
UNIT-V	• संक्षेपण, पल्लवन और कंप्यूटर अनुप्रयोग : • संक्षेपण : अर्थ, परिचय, संक्षेपण लेखन की पद्धति, विशेषताएँ और उपयोगिता। • पल्लवन : अर्थ, परिचय, पल्लवन लेखन की पद्धति • कार्यालयी हिंदी और कम्प्यूटर प्रौद्यौगिकी : इंटरनेट और हिंदी, ईमेल, हिंदी वेबसाइट और सोशल मीडिया व हिंदी लेखन कौशल। **(6 Hours)**
सहायक ग्रंथ **Reference Books**	1. डॉ. हरदेव बाहरी : हिंदी का सामान्य ज्ञान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज। 2. कृष्ण कुमार गोस्वामी : प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कलिंगा पब्लिकेशंस, दिल्ली। 3. डॉ. शिवनारायण चतुर्वेदी : टिप्पणी–प्रारूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. प्रो. पूरन चंद टंडन : आजीविका साधक हिंदी, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली। 5. डॉ. भोलानाथ तिवारी : पत्र–व्यवहार निर्देशिका, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

	6. डॉ. प्रेमचंद पातंजलि : व्यावसायिक हिंदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. डॉ. पी. लता : प्रयोजनमूलक हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज। 8. रमापति शुक्ल : व्यावहारिक हिंदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/

B.A. (Three Years Degree Program)	
Sixth Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**HIN7102T**
Title of the Course	छायावादोत्तर काव्य
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 5.5**
Credit of the course	**6**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**90 Hours. 60 Lectures for content delivery and 15 hours for Tutorials, class activity, case study and 15 hours for formative and Diagnostic Assessment.**
Prerequisites	**High Level**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	• छायावादोत्तर कविता के अध्ययन से विद्यार्थियों में इस कविता को समझने की समझ विकसित करना। • विद्यार्थियों में छायावादोत्तर कविता में वर्णित सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना की समझ विकसित करना। • छायावादोत्तर कविता में वर्णित मूल्य चेतना और सरोकारों का ज्ञान करना। • सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्यों के विकास में छायावादोत्तर कविता की भूमिका का ज्ञान कराना। • छायावादोत्तर कविता के विषयों और जनपक्षधरता पर चिंतन।
Learning outcomes	• छायावादोत्तर कविता के अध्ययन के माध्यम से एक विशेष चिंतन दृष्टि को विकसित हो सकेगी।

	• हिंदी साहित्यकारों एवं साहित्येतिहास के जीवन से प्रेरणा ग्रहण कर सकेंगे। • छायावादोत्तर कविता में वर्णित संवेदना, रचनात्मकता एवं सौंदर्य चेतना से परिचित हो सकेंगे। • छायावादोत्तर कविता के सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में विवेचन–विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
Syllabus	
UNIT-I	• नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा। • केदारनाथ अग्रवाल : हे मेरी तुम, बसंती हवा, चन्द्रगहना • दिनकर : सिपाही, नारी, कलम आज उनकी जय बोल। • गजानन माधव मुक्तिबोध : भूल गलती, सहर्ष स्वीकारा है, पूंजीवादी समाज के प्रति। रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT –II	• अज्ञेय : हरी घास पर क्षणभर, आज थका हिय हारिल मेरा, यह दीप अकेला। • शमशेर बहादुर सिंह : बात बोलेगी, एक पीली शाम, चुका भी हूँ मैं नहीं। • नरेश मेहता : मंत्र गंध और भाषा, यह सोनजुही–सी चाँदनी, वृक्षत्व। • धर्मवीर भारती : टूटा पहिया, बाणभट्ट, क्योंकि।

	रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT-III	• भारतभूषण अग्रवाल : अहिंसा, समाधि लेख, पथहीन • गिरिजा कुमार माथुर : छाया मत छूना मन, पन्द्रह अगस्त, नया कवि • सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : अहं से मेरे बड़ी हो तुम, कोई मेरे साथ चले, प्रार्थना • कुँवर नारायण : अंतिम ऊँचाई, जब आदमी आदमी नहीं रह पाता, बात सीधी भी पर रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT-IV	• रामदरश मिश्र : बनाया है मैंने यह घर, पोस्टकार्ड, कंधे पर सूरज • केदारनाथ सिंह : बनारस, सृष्टि पर पहरा, पानी में घिरे हुए लोग • रघुवीर सहाय : रामदास, अधिनायक, हमारी हिंदी • सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' : रोटी और संसद, मोचीराम, घर में वापसी रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT-V	• छायावादोत्तर काव्यधारा : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और साठोत्तरी कविता की काव्य प्रवृत्तियाँ और कवि परिचय। **(18 Hours)**

सहायक ग्रंथ **Reference Books**	1. नगेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा। 2. रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। 3. डॉ. बच्चन सिंह : आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 4. डॉ. नामवर सिंह : आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/

B.A. (Three Years Degree Program)	
Sixth Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**HIN7103T**
Title of the Course	कथेतर गद्य
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 5.5**
Credit of the course	**6**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**90 Hours. 60 Lectures for content delivery and 15 hours for Tutorials, class activity, case study and 15 hours for formative and Diagnostic Assessment.**
Prerequisites	**High Level**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	• विद्यार्थियों में हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाओं के अर्थ, स्वरूप और प्रकारों के विवेचन की समझ विकसित करना। • विद्यार्थियों को हिंदी कथेतर विधाओं के उद्भव और विकास से परिचित कराना। • हिंदी कथेतर रचनाओं में व्यक्त समसामयिक समस्याओं और सरोकारों से विद्यार्थियों को जोड़ते हुए सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्यों के विकास में हिंदी कथेतर रचनाओं की भूमिका का ज्ञान कराना। • कथेतर रचनाओं में वर्णित विषयों से सामाजिक चेतना की समझ विकसित करना। • संस्मरण और रेखाचित्र के साम्य–वैषम्य की समझ को विकसित करना।

	• व्यंग्य विधा में आए विभिन्न विषयों के माध्यम से व्यंग्य को जानना–समझना।
Learning outcomes	• कथेतर साहित्य में वर्णित विषयों से समझ विकसित हो सकेगी। • निबंध एवं अन्य गद्य विधाओं के विषय में जान सकेंगे। • हिंदी कथेतर रचनाओं में वर्णित संवेदना, रचनात्मकता एवं केंद्रीय विचार से परिचित हो सकेंगे। • हिंदी कथेतर रचनाओं के अध्ययन से विविध विषयों और समस्याओं पर विवेचन–विश्लेषण की समझ विकसित होगी। • किसी विषय पर निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा–वृत्तांत के रूप में अपने विचार अभिव्यक्त कर सकेंगे।
Syllabus	
UNIT-I	• निबंध : हजारी प्रसाद द्विवेदी : नाखून क्यों बढ़ते हैं, सरदारपूर्ण सिंह : मजदूरी और प्रेम • व्यंग्य लेख : कृष्णचंद्र : जामुन का पेड़ हरिशंकर परसाई : ठिठुरता हुआ गणतंत्र • संकलित रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT -II	• यात्रा–वृत्तांत : धर्मवीर भारती : ठेले पर हिमालय अमृतलाल वेगड़ : नदिया गहरी नाव पुरानी

	• रेखाचित्र : महादेवी वर्मा : घीसा • संस्मरण : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : वसंत के अग्रदूत (अज्ञेय) • संकलित रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT-III	• जीवनी : आवारा मसीहा (विष्णु प्रभाकर) से प्रथम पर्व 'दिशाहारा' • आत्मकथा : टुकड़े–टुकड़े दास्तान– अमृतलाल नागर से जौनपुर का एक असाधारण साधारण पुरुष (चयनित अंश : मनुष्य के जीवन में कभी–कभी.....सप्रेम नमस्कार करता हूँ।) • संकलित रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT-IV	• रिपोर्ताज : फणीश्वरनाथ रेणु : श्रुत–अश्रुत पूर्व रांगेय राघव : तूफानों के बीच रिपार्ताज संग्रह से 'अदम्य जीवन' और 'तूफ़ान के विजेता' शीर्षक अंश। • डायरी : हरिवंश राय बच्चन : प्रवासी की डायरी (कुछ पन्ने) डायरी (चयनित अंश : मंगलवार, 22 अप्रैल, 52 से रविवार, 11 जनवरी, 53 तक) • संकलित रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**

UNIT-V	• कथेत्तर विधाओं का परिचय एवं विकास : निबंध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, डायरी, रिपोर्ताज, यात्रा वृतांत। **(18 Hours)**
सहायक ग्रंथ **Reference Books**	1. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा। 2. डॉ. बच्चन सिंह : आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 3. डॉ. नामवर सिंह : आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी गद्य विन्यास और विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 5. रामचन्द्र तिवारी : हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/

B.A. (Three Years Degree Program)	
Sixth Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**SEH7314T**
Title of the Course	लोक साहित्य
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 5.5**
Credit of the course	**2**
Type of the course	**Skill Enhancement Course (SEC) in Hindi**
Delivery type of the Course	**30 Hours. 20 Lectures for content delivery and 10 hours for class activity, case study and for formative and Diagnostic Assessment.**
Prerequisites	**High Level**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	• लोक साहित्य का सैद्धांतिक ज्ञान कराना। • हिंदी प्रदेशों (राजस्थान, ब्रज, अवध) के लोक साहित्य की विशेषताओं की जानकारी देना। • राजस्थान की विभिन्न बोलियों का परिचय, क्षेत्र एवं विशेषताओं कि जानकारी देना। • राजस्थान के प्रमुख लोक देवी–देवताओं का परिचय और अवदान का रेखांकन।
Learning outcomes	• लोक साहित्य का सैद्धान्तिक ज्ञान हो सकेगा। • हिंदी प्रदेशों (राजस्थान, ब्रज, अवध) के लोक साहित्य की विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे। • राजस्थान की विभिन्न बोलियों का परिचय, क्षेत्र एवं विशेषताओं की जानकारी होगी।

	• राजस्थान के प्रमुख लोक देवी–देवताओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे और उनके अवदान का रेखांकन कर सकेंगे।
Syllabus	
UNIT-I	लोक साहित्य की परिभाषा, लोक–वार्ता, लोक साहित्य का अन्य शास्त्रों से संबंध, विशेषताएँ। **(06 Hours)**
UNIT -II	लोकगीत : परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, राजस्थान में विभिन्न अवसरों पर गाए जाने वाले लोकगीत। प्रमुख लोक नृत्य : घूमर, अग्निनृत्य, चरीनृत्य, तेरहताली, डांडिया–गैर। **(06 Hours)**
UNIT-III	राजस्थान के लोक नाट्य : गवरी, गैर, तुर्रा–कलंगी, रावळों की रम्मत, जसनाथी सिद्धों का अग्नि नृत्य नाट्य, कठपुतली, ख्याल। लोककथा एवं लोकगाथा : परिभाषा, परंपरा, वर्गीकरण, विशेषताएँ। प्रमुख लोकगाथाएँ : महेंद्र–मूमल, ढोला–मारू रा दूहा, गोपीचंद भर्तृहरि, रूपादे, गलालेंग की गाथा, पाबू जी की फड़। **(06 Hours)**
UNIT-IV	प्रमुख लोक देवी–देवता : आवरीमाता, करणीमाता, हिंगलाजमाता, ईडाणा माता, आवड़माता। रामदेवजी, गोगाजी, तेजाजी, पाबूजी, हड़बूजी, देवनारायण जी, कल्लाजी राठौड़, राड़ाजी, सगसजी, भैरूजी।

	राजस्थान के प्रमुख मेले : बेणेश्वर का मेला, पुष्कर का मेला, मल्लीनाथ का मेला, देवनारायण जी का मेला, हरियाली अमावस का मेला, गणगौर का मेला। **(06 Hours)**
UNIT-V	मेवाड़–वागड़ की लोक संस्कृति, परंपरा, लोकगीत, लोकनाट्य, मेवाड़ी एवं वागड़ी बोली का परिचय एवं विशेषता। मेवाड़ी–वागड़ी की कहावतें। **(06 Hours)**
सहायक ग्रंथ **Reference Books**	1. ए.के. रामानुजन : भारत की लोक कथाएँ, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली 2. जयसिंह नीरज (सं.) : राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर 3. डी.आर. आहूजा : राजस्थान लोक संस्कृति और साहित्य, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली 4. देवीलाल सामर : भारतीय लोक नाट्य : वस्तु और शिल्प, भारतीय लोक कला मण्डल, उदयपुर 5. नानुराम संस्कर्ता : राजस्थानी लोक साहित्य, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 6. श्यामाचरण दुबे : लोक परम्परा, पहचान और प्रवाह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. धर्मपाल शर्मा : मेवाड़ : संस्कृति एवं परंपरा, प्रताप शोध प्रतिष्ठान, उदयपुर। 8. महीपाल सिंह : लोक साहित्य की रूपरेखा, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर। 9. नीतू परिहार : सं. लोक : साहित्य और संस्कृति, अंकुर प्रकाशन, उदयपुर।

	10. आशीष सिसोदिया : मेवाड़ की लोक परंपराएँ एवं लोकगीत, आर्य बुक डिपो, उदयपुर।
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/